"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

भव्यता देखनी हो तो कुम्भ देख लो
दिव्यता देखनी हो तो कुम्भ देख लो
नव्यता सभ्यता पुण्यता सब कुम्भ में
देखनी एकता हो तो कुम्भ देख लो
—पं.जमदग्निपुरी

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 17 अंक : 02 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 23 जनवरी से 29 जनवरी, 2025 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

एआई का इस्तेमाल करेगा सेबी, 2 साल में 1,000 आईपीओ होंगे प्रोसेस

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अब कंपनियों द्वारा दायर किए जाने वाले इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आवेदनों को प्रोसेस करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करेगा। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि आईपीओ के आवेदनों की समीक्षा के लिए नियामक एआई को अपना रहा है। इससे अगले दो साल में 1,000 के करीब आईपीओ प्रोसेस होने की संभावना है। एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया (एआईबीआई) के वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए बुच ने कहा कि सेबी कंपनियों और उनके मर्चेंट बैंकरों के लिए फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक स्टैंडर्ड आईपीओ टेम्पलेट पर काम कर रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नया टेम्प्लेट रिक्त स्थान भरें फॉर्मेट में होगा। कोई भी जानकारी जो स्टैंडर्ड फॉर्मेट में फिट नहीं होगी, उसकी बारीकी से समीक्षा के लिए अलग से चिह्नित किया जाएगा। इस सिस्टम का उद्देश्य आईपीओ दस्तावेजों को दो भागों में विभाजित करना है, जिसमें स्टैंडर्ड और विशेष जानकारी शामिल होगी। सेबी को उम्मीद है कि इससे उसके अधिकारियों के लिए अनियमितताओं की पहचान करना और उनका समाधान करना आसान हो जाएगा। इस पहल से कंपनियों और विनियामकों दोनों के लिए समय की बचत होने की उम्मीद है। एआई तीन प्रमुख तरीकों से मदद करेगा, जिसमें दस्तावेज समीक्षा, ऑनलाइन सर्च और सामग्री जांच शामिल है। बुच के मुताबिक, इससे न केवल समय बचेगा, बल्कि आईपीओ दस्तावेजों और उनकी समीक्षा करने की दक्षता भी बढ़ेगी। सेबी की विशेष जानकारी रिपोर्टिंग प्रणाली कार्यकुशलता में और सुधार लाएगी।

अनिल देशमुख ने सीएम फडणवीस को लिखा पत्र, लाडली बहनों को 2100 रुपये देने का किया आग्रह

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और एनसीपी के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने महायुति सरकार से लाडली बहनों को 2100 रुपये देने का आग्रह किया है। अनिल देशमुख ने पत्र में लिखा है राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में महायुति ने बहनों को 2100 रुपये देने का वादा किया था, चुनाव को दो महीने बीत चुके हैं, ऐसे में अब सरकार अपनी प्यारी बहनों को भूल गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि उनके पारिश्रमिक में वृद्धि के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। महायुति सरकार को हमारी बहनों से किए गए वादे तुरंत पूरे करने चाहिए। जानकारी मिली है कि सरकार जांच के नाम पर बड़ी संख्या में बहनों के आवेदन खारिज करने वाली है। अगर ऐसा हुआ तो हम राज्य में बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे। महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुलाई 2024 में मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना

शुरू की गई थी। बहनों को जुलाई से दिसंबर तक 6 माह की राशि दी गई है। प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक छह किश्तों में 9 हजार रुपये मिल चुके हैं। इस योजना की वजह से राज्य सरकार को विधानसभा चुनाव में सफलता मिली थी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने लाडली बहन योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता देने का वादा किया था। चुनावी घोषणा पत्र में यह वादा किया गया था कि राज्य की गरीब महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये दिए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार करना और उन्हें सशक्त बनाना था। वहीं बीते दिनों भाजपा की महिला नेता चित्रा वाघ ने कहा कि महाराष्ट्र की लाडली बहनों का अपना भाऊ (भाई) देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने हैं। मोदी सरकार या फडणवीस सरकार हो, महिला सशक्तिकरण के लिए कई तरह की योजनाएं चलती हैं। महाराष्ट्र के लाडली बहनों ने अपने भाई फडणवीस को भर—भर के प्यार दिया है। हम अपने वादों को पूरा करेंगे।

गणतंत्र दिवस की रिहर्सल के कारण कुछ घंटों के लिए लगा रहा यातायात प्रतिबंध, यात्रियों को हुई परेशानी

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन हर वर्ष दिल्ली में 26 जनवरी को होता है। गणतंत्र दिवस पर हर वर्ष शानदार परेड निकाली जाती है। इस परेड की रिहर्सल मंगलवार 21 जनवरी को दिल्ली में निकाली गई है। परेड रिहर्लस को लेकर मंगलवार को मध्य दिल्ली में वाहनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई, जिससे सैकड़ों यात्री सड़कों पर फंस गए। आईटीओ के पास बहादुर शाह जफर मार्ग की ओर जाने वाले मार्ग, आश्रम और आईपी एस्टेट फ्लाईओवर के बीच रिंग रोड की मुख्य सड़कें, मान सिंह रोड, रफी मार्ग, जनपथ रोड, शाहजहां रोड, अकबर रोड, अशोक रोड और कर्तव्य पथ के आसपास के अन्य मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुए। कर्तव्य पथ के पास भारी ट्रैफिक की तस्वीर पोस्ट करते हुए, एक्स पर एक यूजर ने लिखा, ष्क्या /कजचजतंपिब से ट्रैफिक को मैनेज करने के लिए कहना बहुत ज़्यादा है? पूरी सेंट्रल दिल्ली जाम में फंसी हुई है। कुछ यूजर्स ने बताया कि वे काम के लिए देर से जा रहे थे या दिल्ली की सड़कों पर जाम की वजह से काम पर नहीं जाना चाहते थे। एक्स पर एक अन्य यूजर ने लिखा, ष्काम पर जाने का मन नहीं कर रहा। दिल्ली में ट्रैफिक बहुत भयानक है। मोटर चालकों ने यातायात कर्मियों पर यातायात को ठीक से नियंत्रित न करने का आरोप लगाया तथा कहा कि यातायात डायवर्जन के बारे में उचित जानकारी नहीं दी गई। ऑनलाइन मैप्स की तस्वीर शेयर करने वाले एक यूजर ने कहा, सेंट्रल दिल्ली की ओर जाने वाली सभी सड़कें पूरी तरह से जाम हैं। लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए सड़क पर एक घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। अपनी कार से रोजाना ऑफिस जाने वाले रजत कुमार ने कहा, ष्आमतौर पर मैं समय पर अपने ऑफिस पहुंचने के लिए सुबह जल्दी निकल जाता हूं। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल अलग थी। मैं दो घंटे से अधिक समय तक ट्रैफिक में फंसा रहा। मुझे अपने वरिष्ठों को सूचित करना पड़ा कि मैं काम पर देर से पहुंचूंगा।ष उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के कारण सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है और ट्रैफिक पुलिस हर चेकपॉइंट पर निरीक्षण कर रही है, जिससे जाम और बढ़ जाता है। 15 जनवरी को ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के बावजूद जाम की स्थिति बनी रही, जिसमें लोगों को सड़क बंद होने की जानकारी दी गई थी। एडवाइजरी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड रिहर्सल की निर्बाध आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष यातायात व्यवस्था की है। इसमें कहा गया है कि 17, 18, 20 और 21 जनवरी के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। दक्षिण दिल्ली के कई इलाकों में भी भारी ट्रैफिक जाम की खबर है। एक यात्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि वे एमबी रोड पर दो घंटे तक ट्रैफिक जाम में फंसे रहे। मेट्रो का विकल्प चुनने वाले कुछ यात्रियों ने गणतंत्र दिवस से पहले कड़ी सुरक्षा जांच के कारण स्टेशनों पर लंबी कतारों की शिकायत की।

वोटिंग से पहले दिल्ली में भाजपा को मिल गई बड़ी खुशखबरी, इस पार्टी ने समर्थन का किया ऐलान

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन करने का फैसला किया है, जहां राष्ट्रीय भगवा पार्टी का मुकाबला अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप और कांग्रेस से है। शिंदे, जो शिवसेना के प्रमुख नेता और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति—एनडीए सरकार में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री हैं, ने पार्टी के फैसले से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, जो केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं, को अवगत करा दिया है। पत्र में शिंदे ने कहा कि मेरे नेतृत्व में शिव सेना बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा की पथप्रदर्शक रही है। इसी विरासत का पालन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिवसेना एनडीए की सदस्य है। उन्होंने कहा कि शिवसेना सक्रिय रूप से भाजपा के सभी उम्मीदवारों का समर्थन करेगी और उन्होंने पार्टी की दिल्ली इकाई को भाजपा की राज्य इकाई के साथ जुड़ने और अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया है। शिवसेना की दिल्ली इकाई के प्रमुख संदीप चौधरी ने भी भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा से मुलाकात की और समर्थन पत्र सौंपा। तीन दशकों से अधिक समय से, शिवसेना—भाजपा गठबंधन भारतीय राजनीति में एक शक्तिशाली ताकत के रूप में खड़ा है, जो हिंदुत्व और सुशासन के सामान्य आदर्शों को साझा करता है। महाराष्ट्र राज्य चुनावों में उनकी हालिया जीत इस साझेदारी की ताकत को रेखांकित करती है।

उत्तर भारतीय महासंघ द्वारा भांडुप में श्री राम कथा का भव्य आयोजन

मुंबई। उत्तर भारतीय महासंघ द्वारा भांडुप में श्री राम कथा का भव्य आयोजन 14जनवरी से 19 जनवरी तक मंगला शुक्ला एवं एड. योगिता अनुपम दूबे के संयोजन में मारुती मंदिर, लेक रोड,भांडुप प. पर चल रहा है स

कथा वाचक श्री शिवानंद मिश्रा श्सरस श काशी वाले अपनी सरस वाणी से प्रभु श्रीराम की लीलाओं का वर्णन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में भांडुप के लोकप्रिय विधायक अशोक पाटील, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह, सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन), डॉ. सदानंद मिश्रा, एच. एन. सिंह, मैथ्यु चेरियन, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्रीराम कथा के आयोजन में राजेश मिश्रा, मोहित सिंह, नितिन मिश्रा, गुलाब दूबे, चन्द्रवीर यादव, सदाशिव चतुर्वेदी, विनय त्रिपाठी, सुधाकर मिश्रा, संतोष मौर्या, सुनील यादव, रमेश यादव, राकेश शुक्ला का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। राम कथा श्रवण हेतु श्रद्धालु जनों की भारी भीड़ उपस्थित हो रही है।

वैद्य डा. हरीश सिंह जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई। 40 वर्षो से अधिक समय से आयुर्वेद अध्यापन, चिकित्सा, पोस्ट ग्रेजुएट गाइड के रूप में सेवा दे रहे वैद्य डॉ. हरीश सिंह को ष्आयुरकॉन 2025,आयुर्वेद एक्सीलेंस अवार्ड ष्समारोह में ष्जीवन गौरव पुरस्कार –लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड ष्द्वारा सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार महाराष्ट्र आयुर्वेद महा सम्मलेन द्वारा श्रीरामपुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित समारोह में शिर्डी के सांसद भाऊ साहब वाकचौरे द्वारा प्रदान किया गया। इस महासम्मेलन में देश विदेश में आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्य कर रहे 1500 विशेषज्ञ शामिल हुए।

महासम्मेलन का आयोजन महाराष्ट्र आयुर्वेद सम्मलेन के अध्यक्ष सुप्रसिद्ध वैद्य सतीश भट्टड द्वारा किया गया। इस सम्मलेन में आयुर्वेद तथा अ. भा. पारम्परिक चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य कर रहे कई वैद्यों को विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुंबई के पोद्दार आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, के. जी.मित्तल आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रोफेसर एवं पी एच डी गाइड के रूप में सेवा दे रहे डॉ. हरीश सिंह ने यह पुरस्कार अपने गुरुओं, माता पिता, परिजनों, मित्रों, विद्यार्थियों को समर्पित किया है।

वर्तमान में अपनी सेवा मुलुंड, मुंबई में प्रदान कर रहे हैं। डॉ. हरीश सिंह की महान उपलब्धि पर वैद्य ताथेड, डॉ. श्रीकांत गुप्ते, डॉ.बाबूलाल सिंह, डॉ. आर. आर. सिंह,डॉ. गिरीश सिंह, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. दीपक सिंह ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रदान किया है।

गोरखपुर की का खिचड़ी मेला ऐतिहासिक.....

देश की समृद्ध विरासत एवं सांस्कृतिक एकता के प्रतीक पर्व ष मकर संक्रांति (खिचड़ी) के पुण्य अवसर पर कल श्रीगोरखनाथ मंदिर में 15 लाख+ अधिक श्रद्धालुओं ने महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी को आस्था की पावन खिचड़ी चढ़ाई। हेलीकॉप्टर से मुख्यमंत्रीजी के दिशा –निर्देश पर गोरखनाथ के मेले पर श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई, यह दृश्य बहुत अच्छा रहा. कुल मिलाकर अगर संक्षेप में गए तो गोरखनाथ का खिचड़ी, इस बार ऐतिहासिक हो गया..

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)

स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस संपन्न

राजपूताना परिवार फाउंडेशन, महाराणा प्रताप स्मारक समिति, समर्थ मराठा संस्था एवं भारत विकास परिषद द्वारा वसई के वर्तक विद्यावर्धिनी महाविद्यालय के सभागार में विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में 12 जनवरी को युवा दिवस मनाया गया. कार्यक्रम में हजारों की संख्या में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक एकत्र हुए. इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संत तुकाराम जी के वंशज श्री अनिकेत जी महाराज प्रथम सत्र में सनातन धर्म के बारे में फैले हुए मिथकों तथा उसी के बारे में रहे हुए तथ्य पर अपना व्याख्यान दिए. हमारे संतों ने शस्त्र एवं शास्त्र यह दोनो विद्या सीखी एवं सीखायी तथा संत परंपरा हमेशा राष्ट्र प्रथम तथा धर्म को बाद में स्थान देती है, आदि बातें कही. द्वितीय सत्र में देश के प्रबुद्ध विचारक एवं सुविख्यात वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने युवाओं में राष्ट्रीय भावना जगाते हुए सनातन संस्कृति तथा देश पर हुए विभिन्न आक्रमणों का प्रभाव तथा देश में आजादी के बाद से रही हुई विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करके सभी श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया. डॉ. बाबासाहब अंबेडकर एवं संविधान के बारे में बताते हुए उन्होने कहा की भारतीय परंपरा के अनुसार संविधान के मूल प्रती में हिन्दू देवी देवताओं की तस्वीर थी जिसे हटाया गया, राजनीतिक पार्टियों ने बार–बार संविधान में बदलाव कर बहुसंख्य हिन्दूओं पर अन्याय किया.उन्होने कहा की देश का सोया हुआ हिन्दू ही हिन्दुराष्ट्र्की निर्मिती में सब से बडी रुकावट है. अंबेडकर की लिखी किताब का हवाला देते हुए कहा की देश का मुसलमान जिहादी है तथा भारतीय कानून से ज्यादा वे शरियत के कानून को मानते हैं.आदि मुद्दों को स्पर्श करते हुए उन्होंने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जो सभी श्रोता लगातार 3 घंटे तक शांतिपूर्वक बैठकर सुनते रहे. कार्यक्रम के प्रारंभ में बौद्ध संत भन्ते कीर्तिप्रियू नागसेन, आरएसएस के जिलाप्रमुख उमेश मिस्त्री एवं नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे इन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया.राजपूताना परिवार के अध्यक्ष दद्दन सिंह ने संत अनिकेत मौर्य महाराज, प्रमुख वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ, मार्गदर्शक डॉ. ओमप्रकाश दूबे इनका शाल श्रीफल गुलदस्ता तथा स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया. दूसरे सत्र के आरंभ में दद्दन सिंह जी ने इस कार्यक्रम के आयोजन के बारे में श्रोताओं को अपने मन के विचार से अवगत कराया. डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने दद्दन सिंह जी के राजपूताना परिवार द्वारा अनेक वर्षों से किये जा रहे राष्ट्रजागरण के कार्य एवं सनातन संस्कृति तथा सभ्यता के प्रचार प्रसार के कार्य के बारे में श्रोताओं को विस्तार से जानकारी दी. कार्यक्रम के अंत में दद्दन सिंह जी ने उपस्थित सभी श्रोताओं का वक्ताओं का एवं कार्यक्रम से संबंधित अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया उत्तम अल्पोपहार के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

आशिहारा कराटे राष्ट्रीय टूर्नामेंट 2025 सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई। आशिहारा कराटे राष्ट्रीय टूर्नामेंट 2025 का भव्य आयोजन लायंस क्लब ऑफ मुलुंड में किया गया। इस टूर्नामेंट में महाराष्ट्र, मुंबई, पुणे, गुजरात, सूरत, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तर बंगाल, कोलकाता, बिहार, उत्तर प्रदेश और दक्षिण अफ्रीका की अंतरराष्ट्रीय टीम सहित करीब 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का आयोजन शिहान दयाशंकर पाल, महाराष्ट्र प्रमुख, आशिहारा कराटे द्वारा किया गया, जबकि भारत के आशिहारा कराटे अध्यक्ष सी. ए. तांबोली और आशिहारा कराटे के वर्ल्ड चीफ, हूसेन नरकर ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से आयोजन को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष भरत छेड़ा, चेयरमैन जाधवजी सालिया, पुलिस निरीक्षक महेश श्रीधर बाणे, बीएमसी एएसओ प्रसाद डोके,और सामाजसेवी डॉ. सचिन सिंह, डॉ. आर. एम. पाल, शरीफ खान,चन्द्रवीर यादव अश्विनी पोचे, शोएब अंसारी (पी आर ओ –प्लैटिनम हॉस्पिटल, मुलुंड सहित कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने अद्वितीय कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया। शिहान दयाशंकर पाल ने कहा, ष्यह टूर्नामेंट न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि यह एकता और दृढ़ता के मूल्य को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम का समापन प्रभावशाली प्रदर्शनों और विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

खुश हो जाए भगवान

कुछ पल के जीवन पर, तू इतना क्यों इतराता
मौत सभी को आती यहाँ, कोई नहीं बच पाता

जब तेरी अपनी देह के, छूटने का समय आता
धन दौलत या परिजन, संग तेरे कोई ना जाता

हाड़ मांस का तेरा तन, अग्नि में जलाया जाता
हर संबंधी कुछ पल ही, तेरे लिए आंसू बहाता

दुनिया किसी के मरने पर, कभी ना रुक पाती
तेरे ही अपनों के दिल से, याद तेरी मिट जाती

भूल जाए दुनिया तुझे, ऐसा जीवन ना बनाना
याद रहे तू बरसों तक, कुछ ऐसा करके जाना

लोग तेरी भी महिमा गाए, ऐसा छेड़ अभियान
करके जा ऐसे कर्म, जो खुश हो जाए भगवान

शांति
मुकेश कुमार मोदी
बीकानेर

सम्पादकीय...

भारत–बांग्लादेश संबंधों में कड़वाहट जारी

बांग्लादेश में शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट जारी है। ताजा मसला सीमा पर तारबंदी को लेकर उपजा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को जिस वजह से तलब किया, वह इस छोटे से मुल्क की भारत के प्रति कटुता को जाहिर करने के लिए काफी है। आरोप लगाया गया कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए सीमा पर पांच स्थानों पर तारबंदी की कोशिश कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश हमेशा से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कार्रवाई का विरोधी रहा है। हमेशा से सीमा पर बीएसएफ की बीजीबी (बार्डर गार्ड बांग्लादेश) से भिड़ंत होती रही है। कई बार बांग्लादेशी नागरिक अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत घुसने की कोशिश करते हैं। स्वाभाविक है, बीएसएफ उन लोगों को रोकने की कोशिश करती है और न मानने पर उन्हें मार गिराती है। बांग्लादेश के हुक्मरान को इसी बात से चिढ़ है। वैसे भी मोहम्मद युनूस के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से जिस तरह पड़ोसी देश भारत के प्रति आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए है, वह वाकई बहुत कुछ सोचने पर विवश करती है। शेख हसीना सरकार के हटने के बाद से जिस तरह वहां हिन्दू समुदाय के साथ लोमहर्षक घटना को अंजाम दिया गया, वह तथ्य की पुष्टि करने के लिए काफी है कि अब बांग्लादेश किसी और देश द्वारा निर्देशित हो रहा है। वहां वर्षो से रहने वाले अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ अब तक का सबसे बुरा व्यवहार हुआ है। कई लोग मारे गए, कइयों से लूटपाट की गई और सबकुछ छीन लिया गया। यह सब कुकर्म उस देश में और उस समुदाय के साथ किया गया जिसने इस देश को बनाने के लिए हर तरह की कुर्बानियां दीं। इस बात में शक नहीं कि पाकिस्तान और चीन के बाद बांग्लादेश ही ऐसा पड़ोसी है, जिसने भारत को चोट पहुंचाई। लिहाजा, भारत को अब नये सिरे से इस बारे में मंथन करने की दरकार है। भारत जानता है कि सीमा पर गड़बड़ी को नजरअंदाज करना उसके लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। इसलिए उस मोर्चे पर सख्ती जरूरी है। बांग्लादेश छोटी सी बात का बतंगड़ बनाकर माहौल को खराब करने की साजिश में जुटा है। भारत भी इस बात को समझता है। इसलिए वह भी फूंक–फूंक कर कदम आगे बढ़ा रहा है। बहरहाल, ज्यादा नरमी से पेश आने के कारण ही बांग्लादेश का निजाम बदमिजाजी पर आतुर है। चुनांचे, भारत को अपने हित के लिए अंगुली टेढ़ी करनी चाहिए।

रश्मिक मंदाना रिलीज से पहले बड़ा धमाका, महारानी के लुक में छा गईं रश्मिका मंदानां, फैंस की फटी रह गईं आंखें

नई दिल्ली। पुष्पाराज की श्रीवल्ली अब छावा की महारानी बनने जा रही हैं। साउथ और हिंदी सिनेमा में अपने पैर जमा रहीं उम्दा अदाकारा रश्मिक मंदाना का विक्की कौशल की फिल्म छावा से धांसू लुक रिवील हो गया है। महारानी येसुबाई बनकर रश्मिका छा गई हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म छावा साल 2025 की मच अवेटेड फिल्म है। विक्की कौशल स्टारर छावा में रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। वह मूवी में छत्रपति संभाजी महाराज उर्फ छावा की पत्नी महारानी येसुबाई बनी हैं। रश्मिका येसुबाई के किरदार में कैसी लगेंगी, इसकी पहली झलक सामने आ गई है। छावा के मेकर्स ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रश्मिका मंदाना का महारानी किरदार का दो लुक शेयर किया है। पोस्टर देख आप यकीनन रश्मिका को महारानी येसुबाई के किरदार में देख मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। वह रॉयल वाइब्स देती दिखीं। एक पोस्टर में उनका खिलखिलाता हुआ चेहरा दिखाई दिया और दूसरे में वह टेंशन में दिख रही हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, ष्हर शानदार राजा के पीछे एक अद्वितीय शक्ति वाली रानी खड़ी होती है। स्वराज्य का गौरव महारानी येसुबाई के रूप में रश्मिका मंदाना का परिचय दे रहा हूं। महारानी के रोल में रश्मिका मंदाना को देख लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, ये एक्ट्रेस साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्रीज पर राज कर रही है।

वक्त के साथ बदलने से इनकार करता विपक्ष, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य से मिलते संकेत

देश में विपक्षी खेमा शायद ही कभी इतना दिशाहीन एंव दायित्व से विमुख रहा हो, जैसा इस समय है। विपक्ष की दयनीय दशा का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में किसी विपक्षी दल को औपचारिक रूप से नेता–प्रतिपक्ष का पद हासिल करने लायक सीटें भी प्राप्त नहीं हुईं।बीते आम चुनाव में विपक्ष की स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ, लेकिन लगता नहीं कि विपक्षी नेताओं ने इससे कोई सबक लिया है। यदि ऐसा होता तो नेता–प्रतिपक्ष राहुल गांधी यह नहीं कहते कि वह मोदी सरकार के साथ–साथ भारतीय राज्य से भी लड़ रहे हैं। इससे उनकी राजनीतिक अपरिपक्ता के साथ अंध मोदी विरोध भी प्रकट होता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सरकार के रचनात्मक विरोध की है कि वह सरकारी नीतियों की निगरानी एवं उन्हें जनोपयोगी बनाने में अपनी भूमिका निभाए, लेकिन मौजूदा विपक्ष ने सरकार के अंधविरोध की राह अपनाकर उसका दायरा भारतीय राज्य के खिलाफ मुहिम छेड़ने तक कर दिया है। हैरानी नहीं कि विपक्षी दल अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों से यह स्पष्ट भी हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को कुछ तात्कालिक झटका जरूर लगा था, मगर उसने उससे सबक लेकर अपनी रणनीति को सुसंगत बनाया और सफलता हासिल की, जबकि विपक्षी दलों ने अपनी छोटी सी बढ़त भी गंवा दी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य यही संकेत करता है कि उन दलों का अब कोई भविष्य नहीं, जो खुद को राष्ट्रहित से नहीं जोड़ पा रहे। इसी कारण वंशवादी दल सिकुड़ रहे हैं। देश के समक्ष मुख्य समस्या भ्रष्टाचार, जातिवाद, परिवारवाद एवं तुष्टीकरण की है। इन समस्याओं से केवल भाजपा और उसके सहयोगी दल ही लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। विपक्षी दल स्वयं को समय के साथ परिवर्तित करने में असफल हो रहे हैं। वे संपत्ति का सृजन करने वालों को अनावश्यक रूप से निशाना बना रहे हैं। वे उन कम्युनिस्ट देशों की ओर भी नहीं देखते, जिन्होंने देश–काल और परिस्थितियों के अनुरूप अपना रवैया बदला। इसी कारण वे सफल भी रहे। चीन और रूस जैसे कम्युनिस्ट देशों ने भी पूंजीवाद को अपनाया। इससे वहां के दलों के राजनीतिक वजूद को भी कोई खास नुकसान नहीं हुआ। कुछ साल पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक शीर्ष नेता से यह सवाल पूछा गया था कि आप पूंजीवाद को आगे क्यों बढ़ा रहे हैं? उस नेता का जवाब था–हम समाजवाद की रक्षा के लिए पूंजीवाद अपना रहे हैं। उधर रूस ने भी ऐसी ही बदली हुई नीति अपनाई और सोवियत संघ के विघटन के उपरांत खुद को नए सिरे से गढ़ा। अपने देश में भी जयप्रकाश नारायण और डा. राममनोहर लोहिया ने देशहित में समय–समय पर अपनी रणनीतियां बदलीं और उसमें सफल भी हुए। डा. लोहिया पहले 'एकला चलो' के पक्षधर थे, लेकिन 1964–65 तक आते–आते उन्होंने जरूरत देखकर गैर–कांग्रेसी दलों को एक मंच पर लाने का काम किया, क्योंकि 50 प्रतिशत से भी कम वोट लाकर भी कांग्रेस लगातार सत्ता में बनी हुई थी। जयप्रकाश नारायण ने भी जब बिहार आंदोलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ का साथ लिया तो उनकी आलोचना हुई, लेकिन उन्होंने देश के व्यापक हित में उन आलोचनाओं को नजरअंदाज किया। सत्ता पर कांग्रेसी एकाधिकार तोड़ने के लिए एक समय लोहिया जनसंघ के अलावा कम्युनिस्टों से भी तालमेल चाहते थे, जबकि जार्ज फर्नांडिस कम्युनिस्टों के साथ चुनावी तालमेल के सख्त खिलाफ थे। पार्टी के एक मंच पर लोहिया की ओर संकेत करते हुए फर्नांडिस ने कहा था कि कम्युनिस्टों से तालमेल करोगे तो अपना मुंह काला कराकर आओगे। इस पर लोहिया बोले थे कि नहीं तालमेल करोगे तो तुम्हारा मुंह डबल काला होगा। आखिरकार तालमेल हुआ। राजनीति में लचीलापन बहुत जरूरी है। कुछ लोगों द्वारा कट्टर हिंदू के रूप में चित्रित किए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चढ़ाने के लिए चादर भेजते हैं। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेता न तो एक समय सोमनाथ मंदिर गए और न ही आज के उसके नेता अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए गए। राहुल गांधी ने अचानक मंदिर जाना बंद कर दिया है। दरअसल कांग्रेस का पूरा जोर अल्पसंख्यकों के बीच अतिवादी तत्वों के तुष्टीकरण पर है। वह भी तब, जब पार्टी के दिग्गज नेता रहे एके एंटनी ने पार्टी हाईकमान से यह अपील की थी कि वह हिंदुओं से भी निटकता दिखाए, क्योंकि सत्ता में आने के लिए मुसलमान मत ही पर्याप्त नहीं हैं। याद रहे कि 2014 में करारी हार के बाद एंटनी को ही हार के कारणों की पड़ताल का जिम्मा सौंपा गया था, जिसमें मुस्लिमों के प्रति अत्यधिक झुकाव एक प्रमुख कारण सामने आया। पता नहीं उनकी संस्तुतियों पर कांग्रेस आलाकमान ने कितना ध्यान दिया, लेकिन एंटनी के बेटे अनिल एंटनी का जरूर कांग्रेस से मोहभंग हो गया और उन्होंने भाजपा के टिकट पर केरल से लोकसभा चुनाव भी लड़ा। असल में कांग्रेस ने अपनी समावेशी एवं आदर्श रूप से सेक्युलर छवि बनाने के बजाय उन प्रतिबंधित संगठनों के साथ भी गलहबियां कीं, जिनकी कड़ियां पीएफआइ तक से जुड़ी रहीं। पहले राहुल और अब प्रियंका जिस वायनाड सीट का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वहां भी कांग्रेस को मुस्लिम लीग से तालमेल करना पड़ा। यह किसी से छिपा नहीं कि देश को तमाम भीतरी एवं बाहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में विपक्षी दलों से यही अपेक्षा की जाती है कि वे सरकार का अंधविरोध छोड़कर अपनी सार्थक भूमिका के साथ न्याय करें। नीतियों पर सरकार को घेरें तो आवश्यक मुद्दों पर उसका सहयोग भी करें। याद रहे कि 1962, 1965 और 1971 के चीन और पाकिस्तान के साथ युद्धों में विपक्षी दलों ने एकाध अपवाद को छोड़कर खुले दिल से तत्कालीन केंद्र सरकारों का साथ दिया था, लेकिन आज उलटा दिख रहा है। कई बार तो विपक्ष की गतिविधियां चीन और पाकिस्तान जैसे बिगड़ैल पड़ोसियों का मनोबल बढ़ाने वाली होती हैं। यह कहीं से भी उचित नहीं है।

मंकर संक्राति के पावन अवसर पर अजय अज्ञात जी का मुम्बई में हुआ सम्मान

फरीदाबाद हरियाणा से मुम्बई पधारे वरिष्ठ कवि अजय अज्ञात जी सपत्नीक का सम्मान काव्यसृजन न्यास व अखिल भारतीय काव्य मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित काव्य संध्या में किया गया।

मकर संक्राति के पावन पर्व पर अबुल कलाम मौलाना आजाद सभागृह सांताक्रुझ ईस्ट मुम्बई में भव्य काव्य संध्या का आयोजन काव्यसृजन न्यास व अखिल भारतीय काव्य मंच मुम्बई के संयुक्त तत्वावधान में हौंसिला प्रसाद अन्वेषी जी की अध्यक्षाता व लालबहादुर यादवष्कमलष जी के संचालन में सम्पन्न हुईद्यह विशेष आयोजन फरीदाबाद से सपत्नीक पधारे अजयष्अज्ञातष जी के सम्मान में किया गयाद्यमुख्य अतिथि शिवजी सिंह जी व पोद्दार हास्पिटल मुम्बई के एम डी डॉ दीपनारायण शुक्ल जी की गरिमामय उपस्थिति आयोजन को ऊँचाई प्रदान कर रही थीद्यविशिष्ट अतिथि सौ. विमला शर्मा जी (पूर्व शिक्षिका) आयोजन में चारचाँद लगा रही थीं।

अजय अज्ञात जी के सम्मान में मुम्बई महानगर के प्रख्यात

कवि पं.जमदग्निपुरी,जवाहरलाल निर्झर डॉ ओमप्रकाश तिवारी,प्रा. अंजनीकुमार द्विवेदी अनमोलष आनंद पाण्डेयष्केवलष,रामजी कनौजिया,सूर्यकांत शुक्ल,ष्आत्मिकष्श्रीधर मिश्र,अनूप विन्दल,रवि यादव,दिनेश वैसवारी,श्रीनाथ शर्मा,ताज मौहम्मद सिद्दीकी,संदीप यादव,मंजर बलियालवी,एड. राजीव मिश्र,राजकुमार भरद्वाज,मुन्ना यादव ष्मयंकष्,प्रवीण पाण्डेय,संदेश दूबे,हौंसिला प्रसाद अन्वेषी, डॉ दीपनारायण शुक्ल,जनार्दन मिश्र,डॉ रोशनी किरण,अर्चना शर्मा,रीता कुशवाहा,कवयित्री उपस्थित होकर अपनी रचनाओं से शाम को आनंदमयी बना दियाद्यअतिथि विशेष अजय अज्ञातष्जी का सम्मान संस्था द्वय न शाल,श्रीफल,पुष्पगुच्छ,व भागवत गीता प्रादान कर कियाद्यविशिष्ट अतिथियों का भी सम्मान शाल श्रीफल व पुष्पगुच्छ से हुआ। सौ.विमला शर्मा जी ने आयोजन की भूरि भूरि प्रशंसा कीद्यआ.अन्वेषी जी ने सबकी समीक्षा की। आभार अखिल भारतीय काव्य मंच के संस्थापक अध्यक्ष प्रा.अंजनी कुमार द्विवेदीष्अनमोलष जी ने ज्ञापित कियाद्यराष्ट्रगान के उपरांत आयोजन सम्पन्न हुआ।

आईसीसी चौंपियंस ट्राफी 2025 का शेडयूल जारी

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में मेज़बान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगी। भारतीय टीम अपने सभी ग्रुप मैच दुबई में खेलेगी, जिसमें 20 फरवरी को बांग्लादेश, 23 फरवरी को पाकिस्तान, और 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद, 4 मार्च को दुबई में पहला सेमीफाइनल और 5 मार्च को लाहौर में दूसरा सेमीफाइनल आयोजित होगा। फाइनल मुकाबला 9 मार्च को लाहौर में होगा; यदि भारत फाइनल में पहुंचता है, तो यह मैच दुबई में आयोजित किया जाएगा।

टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में विभाजित किया गया हैरू

ग्रुप एरू भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड

ग्रुप बीरू अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका

सभी मैच डे–नाइट होंगे और भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे (पाकिस्तान समयानुसार 2रू00 बजे) शुरू होंगे।

यह टूर्नामेंट पाकिस्तान और दुबई में आयोजित होगा, जिसमें कुल 15 मैच खेले जाएंगे।

नीचे भारतीय टीम के मैचों का विवरण दिया गया है:

भारत बनाम बांग्लादेश

20 फरवरी 2025 को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच खेलेगी।

'भारत बनाम बांग्लादेश'

20 फरवरी 2025 को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच खेलेगी। भारत बनाम पाकिस्तान

23 फरवरी 2025 को दुबई में चिर–प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का दूसरा ग्रुप मैच होगा।

'भारत बनाम पाकिस्तान'

23 फरवरी 2025 को दुबई में चिर–प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का दूसरा ग्रुप मैच होगा।भारत बनाम न्यूजीलैंड

2 मार्च 2025 को दुबई में भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना तीसरा और अंतिम ग्रुप मैच खेलेगी।

'भारत बनाम न्यूजीलैंड'

2 मार्च 2025 को दुबई में भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना तीसरा और अंतिम ग्रुप मैच खेलेगी।सभी मैचों का समय भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे होगा।

ओम शांती

18 जनवरी पिताश्री ब्रह्मा बाबा की पुण्यतिथी के निमित्त सुबह 6से 7योग, सात से साडेआठ मुरली क्लास के पश्चात दूध फल का नाश्ता लेकर के पुन्हा योग तपस्या 12 बजे तक चलेगी! प्यारे बाप दादा की पधरामनी होगी! 5से 6 आदरणीय सुरज भाई का क्लास तथा बाप दादा को भोग लगाया जायेगा! और बाप दादा की अव्यक्त मुरली सुनेगे ज अ द्वारा!तो सभी भाई बहनों को अवश्य मुलुंड भवन मे समय पर पोहचना है! और ब्रह्मा बाबा की प्रति अपने प्यार को प्रमाणित करना है तथा ब्रह्मा बाप के दिव्य कर्तव्य को याद करके स्मृती दिवस सो समर्थ दिवस हम मनायेंगे! शिव वरदाणी भवन मुलुंड वेस्ट मे समय पर पोहोचे!

ओम शांती

इच्छा मात्रम् अविद्या

मन क्यों है इतना चंचल, सब कुछ पाना चाहता
इच्छाओं की अधीनता से, निकल नहीं क्यूँ पाता

सब कुछ पाने की इच्छा, इतनी प्रबल हो जाती
विवेक हो जाता शून्य, बुद्धि भी भ्रष्ट बन जाती

समझ ना आती बात, कोई कितना भी समझाए
छोटी छोटी इच्छाएं देखो, मन को बड़ा तड़पाए

चेहरा मुरझा जाता, मन की खुशी गुम हो जाती
इच्छाओं की अग्नि हमारा, कितना खून जलाती

एक इच्छा मिटती है तो, दूजी अपना सर उठाती
इच्छाओं की ये अग्नि हमको, सारी उम्र जलाती

इच्छा रूपी यह राक्षस, बनाता हमें अपना दास
अपूर्ण इच्छाएं बनाती, हम सबको बहुत उदास

भौतिक इच्छाएं दुःख का, सबसे बड़ा है कारण
सात्विक जीवनशैली द्वारा, होगा इनका निवारण

दैहिक पहचान भुलाकर, आत्म लीन होते जाना
ईश्वरीय याद के द्वारा, आत्मिक शक्तियाँ पाना

विनाशी इच्छाओं के प्रति, सच्चा वैराग्य जगाना
परमात्म स्मृति में रहकर, अलौकिक सुख पाना

प्रभु प्यार में अपनी, बुद्धि को जितना डुबाओगे
आसक्ति रहित बनकर, संसार के सुख पाओगे

इच्छा मात्रम् अविद्या से, दुःख सारे मिट जायेंगे
सर्व सुखों की बारिश, अपने जीवन होती पायेंगे

शांति

मुकेश कुमार मोदी
बीकानेर राजस्थान

हमारे स्वतंत्रता संग्राम, हमारी आज़ादी की जंग, हमारी स्वतंत्रता हमारे संविधान

जिस संगठन को सरदार पटेल ने महात्मा गांधी की निर्मम हत्या के बाद दंगा, आतंक और अराजकता फैलाने के लिए बैन किया था अगर उस संघ का प्रमुख हमारे स्वतंत्रता संग्राम, हमारी आज़ादी की जंग, हमारी स्वतंत्रता हमारे संविधान को ही नकारे तो क्या आप को ज़रा सा भी आश्चर्य होता है? मुझे तो नहीं होता मुझे तो दुख होता है इस बात का कि इस देश में इस क़दर नफ़रत फैलायी गई है, ऐसा माहौल बनाया गया है कि आज मोहन भागवत जैसे आदमी की हिम्मत है कि वो इस देश की आज़ादी पर सवाल उठा कर यह कह सकें कि हम 1947 में आज़ाद ही नहीं हुए थे

अगर स्वतंत्रता नहीं मिली – अगर आज़ादी की लड़ाई नहीं लड़ी गई तो रानी झांसी से लेकर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, अशफ़ाकुल्लाह ख़ान जैसों ने अपने प्राणों की आहूति किसकी आज़ादी के लिए दी?

लाला लाजपत राय ने कहाँ की आज़ादी के लिए लाठियाँ खाईं?

नेहरू ने अपनी जवानी के 10 साल जेल में कहाँ की आज़ादी के लिए बिता दिए, किस आज़ाद देश की नींव उन्होंने रखी?

पटेल विदेश में वकालत छोड़ किसके स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने आए, किस आज़ाद देश में तमाम रियासतों और रजवाड़ों को जोड़ा?

बाबा साहेब ने किस आज़ाद देश के लिए संविधान बना कर सबको बराबरी का मौक़ा दिया?

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर किसको उखाड़ फेंका?

लाखों करोड़ों भारतीयों ने ब्रिटिश हुकूमत को किस देश से खदेड़ कर 1947 में आज़ादी पाई?

हमारी आज़ादी, आज़ादी के आंदोलन, संविधान के ऊपर सवाल उठा कर मोहन भागवत ने देशद्रोह किया है

इनकी दिक्कत यह है कि आज़ादी में इन्होंने अपना एक नाखून तक नहीं कटाया – इन का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था, यह तो मुखबिरी कर रहे थे माफ़ीनामे लिख रहे थे – इसीलिए यह उस इतिहास को ही नकारना चाहते हैं

जिन्होंने संविधान की प्रतियां जलायीं, बाबा साहेब के पुतले फूंके, 53 साल तिरंगे का बहिष्कार किया वो ना आज़ादी को समझ सकते है न आज देश के संविधान को समझ सकते हैं

असल में उनको कुंठा है कि उनके पास एक भी ऐसा आदर्श नहीं है जिसका इस देश में सम्मान हो. इनके आदर्श तो अंग्रेज़ों की मुखबिरी करते थे, माफीनामे लिखते थे, अंग्रेज़ों का साथ देते थे, उनको बताते थे कि कैसे 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन का दमन किया जाये

इनको आज़ादी से इसलिए दिक़्क़त है कि आज़ादी के बाद देश में संविधान बना और संविधान ने उन सब लोगों को बराबरी का दर्जा दिया जिनका वो सदियों से शोषण करते आए थे. इनको अपच है कि दलित, पिछड़े, आदिवासी समुदाय के लोग इनके बगल में बराबरी से बैठने लगे और अब वो इनका दमन सहने को तैयार नहीं हैं. वो संविधान में दिए हक को लेकर आगे बढ़ रहे हैं. इसीलिए यह **RSS** वाले आज़ादी, आज़ादी के महानायकों, कांग्रेस के योद्धाओं और आज़ादी से उपजे संविधान का विरोध करते हैं

और जब यह फँसे तो **state** शब्द के पीछे छिपने लगे. क्या ग़लत कहा है राहुल गांधी ने, बिल्कुल ठीक ही तो कहा है – हमारी लड़ाई पूरे तंत्र से है, उस **state** से है जिस पर पूरा संघ क़ाबिज़ है – एक निरंकुश सरकार से है

मूर्ख भाजपाईयों को 'राष्ट्र' और **state** में अंतर नहीं पता. **state** निकम्मी सरकार, भ्रष्ट नौकरशाह, संधियों से भरी एजेंसियां हैं. और सौ फ़ीसदी हमारी लड़ाई इनसे है जो हिम पूरी शिद्दत से लड़ेंगे और जीतेंगे. अरे कुछ नहीं तो संविधान का आर्टिकल 12 पढ़ लिया होता – **state** का मतलब पता चल जाता लेकिन एक बात माननी पड़ेगी, राहुल गांधी जैसी विचारधारा की स्पष्टता किसी और में नहीं है. मोहन भागवत ने देश की आज़ादी और संविधान पर सवाल उठाने वाला देशद्रोही वक्तव्य 48 घंटे पहले दिया था, लेकिन जब तक राहुल गांधी ने इस पर नहीं बोला था तब तक हर ओर सुई टपक सन्नाटा था

उनके बोलने के बाद ही विपक्ष के तमाम लोग और सोया हुआ मीडिया भी जागा. इसीलिए इस देश को राहुल गांधी की ज़रूरत है – उस नेता की जो बिना संशय के विचारधारा की लड़ाई लड़ रहा है, जो बिना किसी डर के मोहन भागवत के देशद्रोही वक्तव्य को वो कहने की ताक़त रखता है – जिसके लिए यह देश हर चीज़ से ऊपर, हर चीज़ से ज़रूरी है – जिसकी नसों में बलिदानियों का खून बहता है और जिसके अपनों का रक्त तिरंगे में शामिल है

हमारी आज़ादी पर सवाल उठाने का काम एक देशद्रोही ही कर सकता है, देशभक्त कभी नहीं।

—अमिताभ

कुंभ मेले का शास्त्रीय आधार...

कुंभ मेला भारत में एक धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन है, जिसे विश्व का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। यह हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक है। कुंभ मेले से संबंधित जानकारी को निम्नलिखित भागों में प्रस्तुत किया गया है:

कुछ शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार कुंभ 12 प्रकार के होते हैं। जिनमें से आठ अन्य लोकों में होते हैं और चार पृथ्वी लोक में।

पृथ्वी पर कुंभ मेले के प्रकार

चतुर्विध कुंभ (चार प्रकार):

महाकुंभः 12 पूर्ण कुंभ मेलों के बाद प्रत्येक 144 वर्षों में एक बार आयोजित होता है।

पूर्ण कुंभः प्रत्येक 12 वर्षों में चार स्थलों में से किसी एक पर आयोजित होता है।

अर्धकुंभः प्रत्येक 6 वर्षों में हरिद्वार और प्रयागराज में आयोजित होता है।

माघ मेला (मिनी कुंभ): प्रत्येक वर्ष माघ महीने में प्रयागराज में आयोजित होता है।

अन्य लोकों में कुंभ मेले का उल्लेख

शास्त्रों में यह बताया गया है कि कुंभ मेले का आयोजन केवल पृथ्वी लोक तक सीमित है। अन्य लोकों में इसका कोई प्रत्यक्ष वर्णन नहीं मिलता, लेकिन देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन से निकले अमृत से इसका संबंध जोड़ा जाता है।

पृथ्वी पर कुंभ मेला चार स्थानों पर आयोजित होता है। ये स्थान और ग्रह दशाओं का विवरण इस प्रकार है।

1. हरिद्वार

स्थानः हरिद्वार, गंगा नदी के तट पर।

ग्रह दशाः जब सूर्य मेष राशि और बृहस्पति कुम्भ राशि में होते हैं।

महत्वरू हरिद्वार को गंगा स्नान के लिए सबसे पवित्र माना गया है।

2. प्रयागराज (इलाहाबाद)

स्थानरू त्रिवेणी संगम (गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम)।

ग्रह दशाः जब सूर्य मकर राशि और बृहस्पति वृषभ राशि में होते हैं।

महत्वः त्रिवेणी संगम पर स्नान से मोक्ष की प्राप्ति मानी जाती है।

3. उज्जैन

स्थानः क्षिप्रा नदी के तट पर।

ग्रह दशाः जब सूर्य सिंह राशि और बृहस्पति सिंह राशि में होते हैं।

महत्वरू उज्जैन में कुंभ मेले को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की उपस्थिति के कारण पवित्र माना गया है।

4. नासिक

स्थानः गोदावरी नदी के तट पर।

ग्रह दशाः जब सूर्य सिंह राशि और बृहस्पति सिंह राशि में होते हैं।

महत्वरू यह कुंभ त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के निकट होने के कारण विशेष महत्व रखता है।

कुंभ मेला और ज्योतिषीय महत्व

कुंभ मेला अमृत से जुड़ी कथा और ग्रह–नक्षत्रों के विशेष संयोगों पर आधारित है। यह माना जाता है कि जब ग्रह दशाओं का विशेष संयोग होता है, तो नदियों का जल अमृत के समान हो जाता है, और उसमें स्नान करने से मनुष्य को पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पौराणिक कथा से जुड़ावः

कुंभ मेला समुद्र मंथन की कथा से संबंधित है। कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने अमृत के लिए समुद्र मंथन किया था। अमृत कुंभ (कलश) से अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी पर गिर गईं, जहां ये चार स्थान (हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक) बने।

(सौजन्य से एक पत्रिका में प्रकाशित लेख)

—संजय वर्मा
पत्रकार (गोरखपुर)

मुलुंड में सुसज्जित आर्ट गैलरी का उद्घाटन

(संवाददाता)

मुलुंड। मुंबई के कला जीवन में चित्रकला का अद्वितीय महत्व और इस चित्रकला के साथ–साथ चित्रकला प्रेमियों की सुविधा के लिए पहली बार मुंबई मुलुंड की एक स्वतंत्र आर्ट गैलरी कलायतन शुरु हो रहा है. पूर्वी उपनगरों में एक सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थान के साथ–साथ रविवार को पचास से अधिक कलाकारों की कला प्रदर्शनी और मूर्तिकला प्रदर्शनी का उद्घाटन 26 जनवरी 2025 को हो रहा है. यह आर्ट गैलरी उपनगरों में एक शैक्षणिक संस्थान की पहल से लगभग 3500 हजार वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में शुरू की जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक मामले, खेल और युवा कल्याण राज्य मंत्री के साथ–साथ उपनगरों के संरक्षक मंत्री माननीय। आशीष शेलार के शुभ हाथों से शाम पांच बजे उद्घाटन होने वाली खूबसूरत और विशाल आर्ट गैलरी में महाराष्ट्र के चयनित पचास चित्रकारों की कृतियों और मूर्तियों की निःशुल्क प्रदर्शनी भी लगेगी। बेशक संस्था इन कलाकारों से किसी भी तरह का शुल्क नहीं लेगी. यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों एवं सभी नागरिकों के लिए है। 27 जनवरी 2025 से दिनांक. 1 फरवरी 2025 तक सुबह 11.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक खुला रहेगा और प्रवेश निःशुल्क है। रविवार को भी प्रदर्शनी 2 फरवरी शाम 5.30 बजे तक खुली रहेगी।

नि:शुल्क चिकित्सा शिबिर एवं भोजपुरी/अवधी कवि सम्मेलन

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 28 जनवरी 2025 को श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने संस्था के संस्थापक, परम पूज्य बाबू जी श्री नरसिंह खेलावन दुबे की सोलहवीं पुण्यतिथि के अवसर पर विभिन्न जनहितपर कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, सुदृढ बालक प्रतियोगिता एवं वनौषधी प्रदर्शनी, दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 तक संभाषा प्रतियोगिता शाम 5.00 बजे से 5.30 बजे तक पुरस्कार वितरण समारोहष तथा सायं 5.30 से 10.00 बजे तक भोजपुरी/अवधी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

इस वर्ष संभाषा प्रतियोगिता को महाराष्ट्र के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इस संभाषा प्रतियोगिता के लिए कुल ६६ विद्यार्थियों ने भाग लिया, ०६ और ०७ जनवरी को प्राथमिक दौर का आयोजन कर 15 छात्रों को 28 जनवरी के अंतिम दौर के लिए चुना गया।

कवि सम्मेलन में मुंबई, उत्तर प्रदेश एवं बिहार आदि क्षेत्रों के कवि राम सिंह , रासबिहारी पांडे, षनिडर जौनपुरी, शिवप्रकाश पांडे ष्जमदग्नीपुरी अरुण दुबे , श्रीमती किरण तिवारी, जवाहरलाल शर्मा , जिया उल हक अपनी भोजपुरी अवधी कविताओं से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे और उन्हें भोजपुरी/अवधी भाषा से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

साथ ही, सामाजिक, शैक्षिक, चिकित्सा और पत्रकारिता क्षेत्र के निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों को संभाषा प्रतियोगिता के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया है।

रामव्यास उपाध्याय,संस्कृत एवं हिन्दी भाषा के विशेषज्ञ (साहित्याचार्य), मुंबई

डॉ.संजय मांजळकर, प्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेषज्ञ तथा भूतपूर्व अध्यक्ष नालासोपारा मेडिकल असोसिएशन,

अनिलराज रोकड़े, वरिष्ठ पत्रकार, वसई

प्रात: 10.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक प्रस्तुत किये जाने वाले सभी कार्यक्रमों में आम जनता को नि:शुल्क आमंत्रित किया जाता है।

डायरेक्टर
डॉ. ओमप्रकाश नरसिंह दुबे
नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

पुणे के छात्र कु0 पार्थ के जन्मदिन मनाने की अनोखी पहल बनी प्रेरणा

संवाददाता

पुणे। पुणे के रावेत क्षेत्र में अराईज इंटरनेशनल स्कूल के छात्र कु0 पार्थ (8 वर्ष) ने अपना जन्म दिन मनाने के लिए सनातनी पध्दति अपनाई। बता दें कि कु0 पार्थ पिछले वर्ष भी कुछ नया करने घर पर सुन्दर पाठ व भजनों के द्वारा जन्म दिन का भव्य कार्यक्रम अभिभावक के मार्गदर्शन में रखा था लेकिन इस बार खिचड़ी के पावन पर्व पर जन्मदिन की पूर्व संध्या पर इस्कॉन मन्दिर में खिचड़ी महाप्रसाद रखा और जन्म दिन पर स्कूल में अपने सहपाठियों के बीच शिक्षिकाओं की मदद से शैक्षणिक सामाग्री का उपहार भेट स्वरूप वितरित कर प्रेरणादायी संदेश दिया ।शाम अपने घर पर शुभचिंतकों और परिसर में रहने वाले परिवारों के साथ भव्य जन्मदिन आयोजन रखा जिसमें सभी उपस्थित आगंतुक के साथ जन्मदिन मनाया ।सभी के लिए सम्मान स्वरूप तुलसी के पौधे ,उपयुक्त उपहार व भव्य प्रीतिभोज से तृप्त किया। बच्चों के लिए जन्मदिन मनाने की तैयारी देख अन्य लोग व बच्चे काफी

उत्साहित थे। आशिर्वाद होम्स ईमारत में रहने वाले दूसरे बच्चे भी कु 0 पार्थ की शैली में जन्म दिन मनाने की हठ कर रहे हैं। कु 0 पार्थ मानते हैं कि भारत बदल रहा है ऐसे में हर नया कार्य शुरू करते समय सनातनी पध्दति जीवन में अपनानी चाहिए जिससे भारतीय परंपरा युगों युगों तक समृद्ध बनी रहे ।इस अवसर पर कु0 पार्थ के माता पिता , दादा दादी भी उपस्थित रहे ।सनातन धर्म में ही खुशियों को बांटने की परंपरा रही है जिससे सभी के जीवन में खुशियों भरा मौका हमेशा बना रहे । शौर्यता का प्रतीक , विवेकशील बुध्दिमान राजा छत्रपति शिवाजी महराज की पवित्र जन्मभूमि नजदीक होने से यहां का स्थल पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बना हुआ है । शिवनेरी किले का ऐतिहासिक महत्व समझाने और नजदीक से दर्शन दिलाकर बच्चों में स्थायी ज्ञान देने का प्रयास कर जन्मदिन का आयोजन रखना अपने–आप में अलग महत्व रखता है । इस अवसर पर प्रमुख अतिथि अमित चौधरी की ओर से भेट स्वरूप प्राप्त 8 कम्बल का वितरण भी जरूरतमंद लोगों में किया गया।

मौनी अमावस्या के दिन क्या करें और क्या नहीं करें?

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का काफी महत्व है। माघ महीने में पड़ने वाली अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। इसे माघी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल 29 जनवरी 2025 को सिद्धि योग मौनी अमावस्या मनाया जाएगा। इस दिन गंगा नदी में स्नान के साथ दान–पुण्य के कार्य भी शुभ माने जाते हैं। अमावस्या के दिन पितरों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है। ऐसा करने से पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है और परिवार के सदस्यों पर पूर्वजों का आशीर्वाद बना रहता है। माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन कुछ चीजों के करने की मनाही भी होती है। आइए आपको बताते हैं मौनी अमावस्या के दिन क्या करें और क्या न करें?

मौनी अमावस्या के दिन क्या करें?

– मौनी अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करें। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए और अगर संभव न हो, तो घर में पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

– इस दिन स्नान करने के बाद सूर्यदेव को जल अर्घ्य दें और उनकी पूजा–आराधना करें।

– अमावस्या के दिन पितरों की आत्मशांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के कार्य जरुर करें। मान्यता है कि ऐसा करने से पितर प्रसन्न होते हैं।

– इस दिन सात्विक भोजन ही करें।

– माघी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और मां गंगा की पूजा करना जरुरी है।

– मौनी अमावस्या के दिन मौन व्रत या उपवास भी रख सकते हैं। माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन व्रत रखने से मानसिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

– इस दिन गरीबों और जरुरतमंदों को अपने हिसाब से अन्न, गर्म कपड़े और धन का दान कर सकते हैं।

मौनी अमावस्या के दिन क्या नहीं करें?

– मौनी अमावस्या के दिन भूलकर भी नाखून, दाढ़ी और बाल नहीं कटवाने चाहिए।

– इस दिन शादी–विवाह, मुंडन संस्कार, सगाई और गृह– प्रवेश समेत सभी मांगलिक कार्यों की मनाही होती है।

मकर संक्रांति के पर्व पर कांग्रेस नेताओं द्वारा पतंग वितरण

मुंबई। मकर संक्रांति के पवन पर्व पर ईशान्य मुंबई कांग्रेस उपाध्यक्ष राकेश राघवन द्वारा मुलुंड के सभी कांग्रेस कार्यालय में नेताओं द्वारा बच्चों को पतंग वितरण का कार्यक्रम किया गया। मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा, उपाध्यक्ष बी के तिवारी,सुरेश कोपरकर,महासचिव सुनील गंगवानी, राकेश शेट्टी, डॉ.बाबूलाल सिंह, किशोर मुंडेकल, जिलाध्यक्ष अब्राहम रॉय मणि, कार्याध्यक्ष उत्तम गीते,

महासचिव डॉ. सचिन सिंह के कार्यालय पर पतंग वितरण संपन्न हुआ। इस आयोजन में ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द यादव, डॉ.आर.एम.पाल, हेमंत ठाकुर, विजय पाटेकर, रीनामोजेस का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मुलुंड के सैकड़ों विद्यार्थियों /बच्चों ने पतंग महोत्सव का आनंद उठाया।

इस्कान -कल्याण डोंबिवली द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर आम जनता - राहगीरों को खिचड़ी, तिल गुड़ प्रसाद का वितरण किया गया। -हरे कृष्ण

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।